

हंसा मेहता को सम्मान

स्रोत: द इकॉनोमिक टाइम्स

हाल ही में [संयुक्त राष्ट्र महासभा \(UNGA\)](#) के अध्यक्ष द्वारा कूटनीति में महिलाओं के लिये अंतरराष्ट्रीय दविस (24 जून) पर [हंसा मेहता](#) को सम्मानित किया।

- यह दिनि कूटनीतिके क्षेत्र में महिलाओं के योगदान एवं उपलब्धियों को सम्मान तथा मान्यता प्रदान करता है।

हंसा मेहता:

- वह भारत की एक प्रमुख भारतीय वद्वान, शक्तिषिका, समाज सुधारक, लेखिका एवं राजनयकि थीं।
- उनका जन्म 3 जुलाई 1897 को हुआ था और साथ ही वह महिला अधिकारों की समर्थक भी थीं।
- मेहता द्वारा लैंगिक समावेशी भाषा को शामिल करने के लिये [मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा \(UDHR\)](#) को संशोधित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिआई।
 - मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा (UDHR) के अनुच्छेद 1 में कहा गया है कि "सभी मनुष्य स्वतंत्र पैदा हुए हैं जिनकी गरमा एवं अधिकार समान हैं।
- वर्ष 1946 में अखलि भारतीय महिला सम्मेलन (AIWC) की अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने "[भारतीय महिला अधिकार चार्टर](#)" के प्रारूपण का नेतृत्व किया, जिसमें भारत में महिलाओं के लिये [लैंगिक समानता](#), नागरिक अधिकार एवं न्याय की मांग की गई थी।
- वह भारत की [संवधान सभा](#) तथा [सलाहकार समिति](#) एवं [मौलिक अधिकारों](#) पर उप-समिति की सदस्य थीं।
- वह [संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग](#) में एलेनोर रूजवेल्ट के अतिरिक्त एकमात्र अन्य महिला प्रतिनिधि थीं।

और पढ़ें: [महिलाओं का सशक्तीकरण, भारत की उन्नति](#)